रामदास जीस तछे सोभू चे
रणेशीम ॥ मुष जणासी नदासी नेए त्र
ह्मचर्य नेमे नाराम ॥ नवकर जोडे
नमीत रामध्यानकी छोड न्याकरता ॥ जनू
जरधारया ध्यानजनू वाकाडे जिसरता
दसणकीमनामरही रू नामगोमदराम
रामदासजी सतछेसाधू चेयमेथाम ॥ २ ॥
राणेतीनग्रम संतबोधे बरीत्रा
म जगतिनधारंगमकी जन्मकेबाखार
चरणम २ ॥

रामदासजी रामहेसंत
बोले हरीराम जनको दरसएक
रतहरीसोसेबेसराम सोपन्ने
हिसराम बातएकेबोलेसंत
आतेबधाईसाईसोपन्नमआमस
भातो गोविंदरामबंदनकरेनि
दीदनलोचे जाम रामदासजीरा
महेसंतबकेबरीराम ॥१॥
नमदरसएकीरहगई। गोविंदका

मनमांहि जैसा करणा की जो रे
दरसण हो इण मोहि २
सतगुरु रामपियारा हो
माधो सतगुरु रामपियारा हो
म्रतमकै अवतार जधारो पतत
नधारण तारा हो १ जीवलेगे
सब चरणा पड़के जनके कारज
सारा हो २ नरनटब्रह्मलेगलन
करणा- वतिपोतिदरसाहो ३

नाहसमाहे भेटहेपद नारी ।
१ हेम चरण जास तप्रसिद्धपरी ।
नेउरमेधारीहो चलनसमेवोहो चे
तमांही मुखस्तंभनु चारीहो २
गणतमारयारम्भपद चीनो दीनाथ
सचि चारीहो नेउरकुमनमहे
नांही नागीहरिंक तारीहो ३ हे
मनगमपदचेदातारी हमक
हेनबारीहो बारबारवीनतीकरे

नेनंसर णितु म्हरा हो ध
मेरैतन गुर धांमसिधाए हो वैबरी
धांबधतन जाई हो टेक ताकी बोहोतन
दासी हो वैदरसए अबकांहांपासी हो १
लीनचिन्हीनेहो मनहीमेंछता
वैहो २ अबछनाथांकुछि नांही मैत
गुरसबदांमांहीहो २ वैअमरभैराजैहो
वैहिरदांमांहि वराजैहो ध धीरजकरि
धारीहो अोसबदांमाहिबचारीहो ५ वेद

रसणतणऊ क्रमा दौहो मनिरहेग यौपछता
यौहो ६ लोअउर मैंदरसणदी ज्यौहो मग
लेकी करणंहुणि लीज्यौहो ७ पदा
संतगुरुप्रमधार्मिक गमूहो ब्रह्मपद
भोगएक ज नराहो हमबल
लष तम्हेत्माहो मोक्ष नरू वो
इषयोनीहो ९ हमक मोषी
हीनाहीहो ९० ज्यू रतन मनमा
हीहो ९१ गुरदेव लनासुष नाहो

धुरा जीवन जगमाहीहो ३
स्वामी कृपाकी नेहो तुम
चरणमाईत्वी नेहो ॥ ४ रामदा
सजीरामहीहो सुमतरामलुगम
हणाहीहो ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
मेरेसतगुरु ब्रह्मचारी
हो प्रतमठके नेहतारु जधाम्मा
त्मासाजीव नमारीहो ॥ ६ ॥

अनत जीव को कारि जमाल्यो
अलख तरेहे मुरारी हो १ अगम
देस कू गवन जकीरे हमेरा
इसमा पाहो २ हम तो तुमरो
बेन जाणो तुमरा गति मे न
नही पाऊहो ३ अबध नहि
माहि बसंत हमतो तुमरी मु
रति दीसना हो ४ रामहदा

मगरदेवज नारी म्हेमा-प्रणम
प्रणमीहो सुमतिरांमकरनो
हुवे तहे मैतोसरणो तुमारो
[illegible] गया
लेहातारांम हेदासजी समा
कुंदसीमरचर्ल्हेमासजी पुत्रो
चैन्ना चाहीहोइ कोछे जीना
तीप्रा पाहीहांदी नानोमरो

नावपारके नाव्कीया ॥ १ ॥ बेग्न
चाही नवे हमेगाईया ॥ हम्ना
देख्या मोटुकदमण नाईया सो
तेने बपके त्या गिपरमप्दकग
ग्रा मरि तांगो बे दरामवेमनि
नेमाफा ले गिरह्या ॥ २ ॥

प्रभु किरपा हो गुरु तेरी ॥ बुद्धि पहो गुरु मेरी ॥ जन नानक

रामगल सब संत की
निधान गुरमहिमा सिमरन च
चक्रमुषा छ
तो सिमरे
कैसे करे न चार
गुरगोविंद गति प्रगम कपा
जनको महिमा अगम कथीव
दास नानक धरम आदि

SAMPLE

तिस्रं परिहां प्रमाणं विधिनिषेधनामानं
करोमि प्रीतिस्वामी हस्ता
मी जीवास तदासजी रामरूपनिज
आपहे रामुधरम नत्रग्रावते जाणों र
रकारीछापहे नलेके सिवक्रिपत्रखामी
ब्रह्मसुरूपजरतथए रामचरणजीसिष
जिनके ऐकहापदमेरेतनए ध ऐकहीप
दमेरतनएजन नेनतजंकारिजेहारी
या ब्रिकतदसाहनेरुड धारी प्रित

भव तरनि तारी सदा ॥ जन तुमि जिन
के जन हरि एक रस एक सम नाम हरि दा
सु ही एक मन से ॥ जन को महा गुरु
है ॥ ५ ॥ राम चरण की सरणि मे
रामदास जासंत ॥ कर करुणा निधि बीनती
महमा को नही अंत ॥ ६ ॥ ७
राम चरण की सरणि पेखि ॥ सिवराम हो
मन मे सदा धि तरक मागव रागसार
बिरकत दसा प्रकट धारि ॥ ७ ॥ जन राम
रूप जाणो निधान ॥ निरनो जि नि कोउ

तिमगुण न प्रति नमस्कृ. वैरागधारि स्व
छंदमेंपरधीमजारि माहिपुरेगुरदस्त
लीन फिरिदेसक्र छाहकृ. गलुकीन ना
नारिलगे चरणज नाइ केतानबोहो
तेप्रतिवंदउं ९ सबु ज्ञान चरमकी
मेनिरेष रामप्रसमधारेो बरेष सबधमन
मैनामसार सरबधमूएकेरामत्तार १० च
रचाजकरैतनताकृ. तोकृ. चरणज
पेकृ. सिषदोकृ. दोकृ. दयोषसिष सिरदस
तमेलि त्रैलुषसबुपयेलि ११

तिर चूरकउ धेसग नवन॥ सिवन तानिरमल नीर॥ नौमि ३
नगति चधारए कारणो॥ रमतकि केहीता
हरि नछ्रामेसह नही॥ आदु थमेसगा
१२ छन्द॥ राणो तोड कसु नस,
पान जोहा कि ता दिवसधरीपो न
ध्यान तबे नपोजे नाको नतिप्रकास
नरनारिबो होत नाने नपास १२ जन
करेक थापसग नमाए मुबिस्व चनन
चारे नमीधार रा नरेतिके करसमाई
धनि नागए दुसहोइ १४ नेम नाए
जनत नस नदास करए जबि चासो

ब्रह्मलास प्रणाम ही तन लिपत नाहि
मन क्रम सिर सोंगुर चरणमहि १५ साध
चत्तर दस हैं जरि गुरदरसि करत मना
नरपति भंड जगासीसरख नतार्द के
रिहे प्रणाम सिर नाइ नाइ १५ मिटी
रातिपर नाति होइ तो गुरप्रसादम
धमे जसौइ जरि प्रणमत ते नस जाए
चलत लेइ नगत नाए १६
रोग न चाल्यो तन तनती गुरप्रसादमुष
धारि फूली फूल गाम रिके गए जधाम

सिधारि १७ ॥ छप्पै ॥ बृषभ मष्ट
दस छास दैसोट । मासो जस बिधु धबो के
जहा । सिवसाषि के मष्ठ के नेह के
एक तिथ नू करीछे १८ गुरबि छोप
कंस ल्यो जोहि । बुध जिमर्क कोरउ हेंस
माहि रामगरू चरण्ड जाए चरए
बि चारि सात नेम्प ॥ १९ ॥ ॥ ॥
देह छ ता दरसण कु ता । सो दे बृहासत
नाहि सब्द मडू करेनी जाए के ध्यान
धरनि माहि ॥ २० ॥ केनू ॥ राम चरए

म्हारा जि नग ति मर तार जधार्यो मन
तू जीवन ग हीस्र ति जन को कारि जसार्यो
जि नके सिष उन रूप ए के ते क सवाए मा
जि नग ति हैरा गगत प्रह मा हिंसमाए
ति नमे बर ए एक मुए से बस तरु जाए
मेरी बुधि न नमा नके छे एक करु बधां
ए रामदास जी ना मको हाल गि करु
बगर सतगुरु मुख छोय नाप निरमा
हीपाई काम को धमध को मन्हो त जि
इ इ जी ती रामगत सिरधारि जगत

संत जी परी ती तीनगुणांसंपारसार
मनघरीसमाधी साजि जगतिखैरागमें
घरुतरासही धंधारो ज्ञानमा तमजोगमें
जनकोजालिनतगा चरचापरंगछो
लक्षणतसीनलहोइ अंगा जेतीनछै
वैरागकीसोजनकसारीमोखी जैसाप
कढी मादिखसो मैं तिनगरहिनी
२१ रामचरणके सिय समेतु
करांमहदासजीनामनुचारा नवेमेर
पाचकोतेजमिटाइकेसातरतीनको

एष न्यारा कामरकोधक जातिगए
जनको नरमोहकीएसलछोरा मनमनो
रथ जातिनोएलुमनरलदासके लेक
नबारा २२ परणकरिने आपकोपो
गुरचरणकामकीनेनिरमरा जीव
मनतनधारणकारणजा लदीसारहे
प्रचरूप ज्यूप्रेलुमतिमचे नरपूरण
पूरणहोलुमछलके नरा महमाकोपा
रकोहोकुणपावलीरामहीदासजोहे
गुरपूरा॥६॥ परंगुरपरमातमा हरण

परम सुखसाने ॥ नमत जीव तारण तरण ॥ जैसे आपदखाने २७ ॥ छंद ॥
श्रीराम ही दास हनुमंत मेरे गुण
सागरके मति मुज नर ब्रह्म नमस्क
ऐसे ही बातकी बोले जीव न धारए
देह धरी कर्म दुख मैं ना हि तर्पे
नित तेरे के नाम तुम जपे मोहो मा
गंभीरा मनूपरो मन जी तिगुण
संकोप गरे तिऊ जीतिलए उदेखो
जनकडा लछि कृत तणो सबलायक

ही चरणांजपदे. नरनारिके ते सकले
नमदेसतेरेजनले जिनके सब नमन
करकीरती मतिबुतसहतेजरनोचदी
यो पलपुतनतु जेवदास चेए ता
हिसाशिक्षेकेवरुश्री नाथे ग्रेहच
रामदमाजकरी तेव नरहरदास्त्र
सोउचरी बीएजसमरणकामसही
सबजेनमिलेसोहीधामलेही. २५
हमहा फेरि नही जन्म पावतहै

जन्ममें जल जाइकै तीनु न ऐसो तोपै
तिनि तिनषावै ताहे अधिकाई
जाऐ चवथापदके तनहद्द घोर
सुनावंताहे ऐ वा तत्व परमधाम
होसोवेदा तसिधा तमेगावंतीकु ३
॥ सार ॥ रामदासमाकुंरा जि स्वो
योपदेशी होसही जलते जीवगऐ
तारि नैसगुणदाताकही २७
॥ सतगुरगुणदाता
गुणदाता सोसारीसष्टविख्याता

गुरुरामचरण उपदेस जदीया मो
ही नरमैं ना ता १ तरके त्याग वैराग्य
माया रामनाम मेरा ता २ सदासुच्छ
दरमैं जगमाही करतु न गतिविद्या
ता ३ मनेते जीव नासरेो माया
जिनक परिलेघा ता ४ तृषेतृष्णा
इलगे तनसे ता तनसे नही लिपा ता
५ धरिधरिध्यान नमाने नम्र तिपरणा धे
मेमिले जेधाता २ रामदास जी प्रेमा
सतगुर जिनकामहमा ता ७ ग

रनह नत्तरांमदयाकरिमत्ते। नरह
रकै सिरहाथा ॥८॥ पद। सुतगुरमुख
लत्तासुषदाता जनरमगएदुमत्तमा
ता ॥८॥ चरणे दिक्षयरसादादेता
पोषसुहतिबत्तरवाता ॥९॥ पदसाखी
अत्नोक रंमपारा निनि निलियसरु
त्याता.२ नेनतजीवनकी.मलो
करणाक त्रणन्नो छंदेणता.३
नतसतदयासीदेसमता रमनो
मसमराता ४ सोदरसणगयो बि

लाई कृष्णगतिकरी विधाता ५ अन
तिव्याकुलेतारहैतनभीतरि विहाय
रामतात्ता ६ रामदासजी त्रैसोसतगु
रु हिरदौसिधाता ७ नारहदा
सजेनाकोदरसए मकदामाहि बिख्या
ता ॥२८॥ बोणहैसब ग्रथ
हैं परिजनबुकोई ग्रथरित्या
गियरंतारहे पूरणोपदेसोऊ २५
रामदासमहंता जसंतयदुरु
रणयापो एकादसमीकेरन ग्रसही

बरलिस्पणपौ कनकेकामपरहार
सारमतश्रेसोजनको चरछोछे
श्रपारजसो बरसणहरुघनको जेन
तजीवनको नेतोकेपाकरयेजेन
धाम्रो मनुहुनाएसरीपको जजिन
हीकोसाखो एकादसतिवरे जगत
तेजिसरणे नारे मरुनाबरणेकाहा
एकुसएकसढाए श्रर जगतमा हिजो
कतजतेमतधारणकी यो दिछानाव
पतेब्रतश्रनतकोकारिजकीयो घो

ह सबस नमपूह नेंतन सं तोड़ो मनवं
लीपो जी तिरामपद माही जोड़ो मंत्र
ते ग्रहादस गुण तीसधार नरबद्ध करारा
ग्रंथे बासनानास जगत समगणो ग्रसा
रा ग्रेगारलेछ दूटिदे हत्यागनकी धा
रा सेतासबस्त्रवेरागछेते ग्रतिरखीके
रारी त्यागनकी रेखा ग्रामे ग्रमनंथाएसरा ह
रा ग्रथमही मिटिदे नेए बुदबुदज्ये
नारा राणेरेखीसेंन ग्रुरामक्कोरासने
थानं म्हापड़ा तर मोमीसतजाहाथरे

ध्यानं ॐ नमो अरिहंताणं बीजाक्षर
नुं तेरमुं करते ध्यानथी निर्मल दृष्टि
जेम तेम जेम नूरे होय तेम तेम निज जोहा
गरामन चेतना साक्षात्कार थवो जणाशे
बहु ध्वनि करे छि चादर नाद जणाशे
पछे बोहोत नजीक थी संभलाशे करेमणा
मनछानयेमत्र एके धारा करि छिवा
णावी जशे बिबोहोत बीजे बन्ने
ये उरगोबिदसी भजाणेम मूर्ति
साथे साथे नरहरिनाजोद मे तिबा

रबार चरणांमरे गुरुरांम चरणकी सरणि
मैंसतरेक मैंसरे ३० यहीं ही
इतड़ चेरलो नवकी हो मैंचा
र माहिपुरे चालोमा मानोएहवि
चार ३१ इतनी करुनि चुपरह्यो सुम
रणमें चित्तलीन छे रहो हा तरह
जते चलावोकी ना ३२
सबकीनो चलोलाज नासोडु रामक्ष
नि चड़चारहो ड़ि मड़ नगमासीसेव
गाड़ करिहै प्रणामस बोध्याड़ध्माई ३३

ब्रिहस्तिसेमं अधीन अंश बदेहसकारण
नन्द वर्कीन सबरामरामेन चार के
हिवेणीका जुगतिसार 3ध जने
तनयंधरायो तामकारि ले चले जोग्या
मासासधारि अंत्रित्ति नछोवतही वा
रहोड़ सबरामरामेन चरेंजतोड़ 3प
अंत्रित्ति नछोवतही वारको के
हैकाहालगकोड़ अंत्रेतंत्रअं चक्र
दिसवरे धलिधाने जनमाड़ 3६
हैजनकोपर नाद अंमारो मि

दरूपस देह विराजतमाहि जमरति चेत
नकारा ॥ जोतिमै जोतिमिले जनमरति
तनहरामरमा हिंसकारा ॥ जासमेका
ऽछोतिब तावतमोली तोमा तिकी जा
निनकारा ॥ नरहरदासके छौ नही
जानतहे जनकोपर तावे छूपारा
ध्यानकरतगणेत्मा
ऊ सधदेहसतातणी करमकरत
गईबादि नानमधसोहधणी ३
जगतकादेहनमधबिचा

री त्रसनांकी घर्मिषणी तस भीतुरिमां
हि त्रस ध चरंत छकारी कामरकोध
रेत्रा नमोहा दिकरागरदोष नरी त्रीति
सारी सोतनत्यागिगए नरकानरतास
की छोतिनजाइनतारी पापकरमके
रनमरेसुगतकीदेह त्रसधबि चारी
नतरु नजगतकीदेहक
रमकरतेमरे लष चारासीमाहिफेरिज
नमेषरे सते मिलेम्हामोषमिटेरी ते
वमरणजी परिहामुष जेनको चऊवे

दक्षतीर्थ चरणजी तीर्थ
नीदेवेणमादे वेदअंबमुषास्थ
सर्वांगेसत्यादेवा पुजनास्वतदार
चनात ४१ तीर्थसरख
जहे चरणेषुकि चास्य होवेदमुखा
गरिसोने कोडि तेतीसजक्षेत्रकल्प
गमेश्रेसोसरीर जेतलतलाहोजे तोतन
त्याजिमिरेजन ब्रह्मेजलंजोहो
ताति मनाहदगाजे जातनको
जनछोरनरो तिछोतिबत्ता

वैसोमरपवाने ४२ कोमरको धरलो
नमोहादिक मोर नस्त नछि कारव
हास्या ॥ रूत नदेवरने धकोपोज
ननारदयाकास्त्रू वयषास्या चदन
सीलसतोषस्त्रीछाछिमाने भूनरपका
वापके जास्या सोतनमिद्र तेजजन
भरतिवोहोत नेछोत्रीस्त्रीता हिसका
स्या ४३ जनतनके छेटका
ऊके नेऐजनि जपदस्त्रीने धरजल
घेवनरलजिनिरू तातनकोतचि

कीन धध ॥ धर धरि जल परछो
र पवन झ्रु सपरस कारिलेहै तो पाऊ
तासन धारि रूचे त्र दीप परस णारहै
धध ॥ ७ ॥ जगतन झ्रु ध्रुव झ्रु
ज्योतीपछि कोनन हि धर जलधरि
लग निजलो जनि ध्योरेहो किस
गुरु ॥ धह ॥ रूरूलेक कारणा
नही कोइ ध्रुव गतन मैलेयन सोइ

नमो नपति रेके क्षत ज्यं नीरा दीयो
नवसिक रूप पिसरीरा ध्रु० रामसुमरि
पद माहिसमाया। नावे जोहारहो।
रेहकापा। राम चरण गुरु सिरपर धरी
पा। स्वरामदास जीमार नतरीपा ध्रु
परि ग्रहमा हिजो जगती करते ॥
पणो संगुरु चरण धरत नमसव
हि नमिलिकीपो बि चारा गुरुसेवा
बिनिना हि नधारा ध्रु० तेनमन

धन अरपण सब कीजे ॥ या करीया
प्रेम नाकारण जे ॥ निश्चल चाकर
हे सकारी हरदत ॥ नरोत्तम तरना
री ॥ ५० ॥ राम नाम रखवाला
संत जसे वासोर ॥ ग्रहमा हे नाती जो
के बहु नागीस हो र ॥ ५१ ॥ सतन ले
पहे जगतस ॥ जगदीश नो आधीन
मानपण के रजकरे ॥ नरतनरत्ना का
लीन ॥ ५२ ॥ अरथ ॥ नरतनरत्नाकाले
हे जेकजनसोइरे ॥ सालदाया नरधारे न

रामनवमीदिवसे मुखस्तंभरोगमिटैजु
हीणती महिलाओंकी महमाकरैजु
नारद बीनती ॥ ५३ ॥ बार
बारकके कहेबीनती मंत्रनेके बो
रमारकके पाठवेतुरी महमा तो हमार
है ॥ तरुणी नीकहेतसमदकोमेथा
गल्या नुछमंत्याता के हेतसमरए
तो नारदे ॥ हेमीनु छिबुधिमोरि
माकोहकेतरी सिमज्यु ॥ थाहर
समरज्यु नमारहे ॥ स्वामीरामदास

नाम जाप्यो अनेक बार नहि रह्यो
रोक तोहि मारो लोभ रह्यो धुंध
लेषण नाहि जगत कोरे नेकाहू रे
न विसुदास को होइ कागद माहू रे
हनुमान ने तमाहू को रसना ते
हो परिहो मूमा उरगो छिद्र मारते
पातही ५५ रामदास को
जिको फिरसा कोनहि मारे मेरी तोहि
घि ठाछि है कोहि कागकरु न धीर
५६ रामजनाक्षपाकरी हिरदे को

ओम काम गरू चक्रेशमप्रताय
सं नाथो नरहरदास ५७ जनम
दलानजग्रएहे हिमासारजहाज
ममनरसाहिबिरा लिको स्वंपहीब
रणेसोऽ ५८ देहगुरुके लिषणा
को ब्रम्मादी स्तीसो हे लुघदी
रघपमेजके मांपुकदी जनमोऽ
५९ लुघदीरघजामा तरा बिपर
जेरघबिचार धारेवा धेमाग
थमेसोत्ती ज्योस तसुधार ॥ ६० दो

दी दोदास तकरै माहतरोदी देह
सिषकीलुधवा तक गरदीरघक
रिलेह ॥ ६१ ॥ केरुत्वोसिधा ॥
किन्त ॥ ॥२॥ इलो ॥ २१ ॥ मेरसो
रग ॥३॥ चाई ॥ ध्रु ॥ घक ॥ २ ॥ मेरे
ल ॥ ४ ॥ गीतक ॥ २ ॥ म नहर ॥ २
॥ जरतण ॥ १ ॥ गीतक ॥ १ ॥ प
री ॥ १५ ॥ मल श्रीटकम हरीनरस
वईग ॥ ध्रु ॥ सतीक ॥ १ ॥ गीत ॥
ग्रथमो हिनासबदसरव ॥ ६५ ॥

पैसु पियरमांनं सतगुरकाम्रताप
सेजोडि कायोएमत्न ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ 

संपूर्ण ॥ ॐ ॥ श्री ॥ रामः ॥ समर्थ
ग्रंथसंख्या ॥ ओवी ॥

रामगरु जनहरिस न चरुरामबो
दास डेवाधि जिनजे मजनता
संनदेव काम ॥ १ ॥ परकासो जनबे
हो नत रामचरण उरराम ॥ तासजि
रामदास जन पाखेरुमधाम ॥ २ ॥
॥ श्रीमधामध्वजेरुमगुरु पोररामु
रसपरगाएी ॥ ऊवा नगाऊरि ओरुक्ते
पदमाहिमरु नांएी ॥ नाऊनकोनरु

नलहि रामचरित्र प्रगट्यो माहि
समाणी। घाटक कीमत्मा तेनी
ते भोमेबेद तेरवाणी। ज्ञाको
प्रावल्लावणा मनुगोहेवणी। तेज
पुंजकीसे जतांहीकातत्व। प्रेमघा
णी सोमस्वर ओंकार नही नहीं
एतत्वभाणी। तहो नम जोरा जम
राजको चैना हिकराणी। प्रेम
मयारूपा प्रतिकारूपहू चैनि।
रवांणी। रामतो चनरामदासप

दमिलि तबक ही नीसांणी ३
ऊरराम चरणमरैताप
सरामदास सिधारेधामक संमत्तद्व
सदादससार्तेवट नुपरि जौर मास
जको असोजसुक्ल नमसदी जंजको
दू सोमता तसोदू जार तासक तनेछ
टकापो माहू श्रीसरामदासाने
हीपो श्रपामो कारजि कारि निज
श्रापणे जाउं जरु हारेस्वामक ऊर
राम चरणपरतापसरामदास सिधा

ऐ धांमक्रं ॥ ध गुरराम चरणकीमै
किंनरामदासपाड़ फते हुमरिरामर
म तीतज्ञीत गुणाइ ईसरे मनेक
जरगहहाथि नाथि न ब्रह्मपतसिधो
रे पांचम चौसठी नि निरकोजग
होमेन्द्रौ कांम कांम नापासपी
तिसब्रह्मही जेद्रौ मरथमब्रह्मे
होहोतब्रह्मपक्के ममधिकारा व
होजीवनकाजेद्रह परमारथधा

रीकीनां ॥ का जदुनतजादि
सोमएसगाए रामभिनजिवग
सकतेहीघडेकेगाए इवघेका
जसुधारिअगमकगवनमे चारु
ऊतोवपरेवीरवीरेलाडुकेअधारे
जपासकतिकेछंदवंतनमे
हरसार्थ करमेकलिनृपकेकाही
देहजेवी नारि ईश्वरधनिकीस
मेघोपरघालतघुही रानिकती
कोहसारवातरूबोलसबही ॥

॥ श्रीसेवकरत्नहीरेनिधरी देवहीव
षांनु सतगुरुजी नमस्कार चरणो
दिचेमोप ॥ श्रीनु ॥ चरणामत ॥ भर
सीतप्रसादीमुखमें देखो ॥ म्हाप
रीतिसू ॥ श्रापणा ॥ तीनि ॥ भरजेणी
करणातलेनुदतुरतहीतनकू
ग्रास्थो रामरामुकार ॥ भजफतरसन
न चास्थो ॥ सा ॥ श्वे चवेदसत्ताहा
बराजेताहीभासा रामरामम्हारा
जिसकेलपूकारतयुकारा ॥ मगद

चारु अपार नमेती बरीस्वामेधो
कीयो न छाद्यो बोल्यो न जग्यास्वा
जाणि बसेधो ज्ञरगो बिदस्वामि
कहेसक नहीजानेसोई यादव
धिदधेनेधज्ञक लेकोमंदजको
ई ज्ञरकीमहमाकरनकबु नागी
जाव मनोधमनसधबी बरी
ग्राम छ पिछानु लेलेजासुमरबहा
सरसतीमेनहीदीसे जमजोराजम

पुजसीतसम ताकेसागर नावै
टेक नरधार जगतिरएमांहीकूपी
या भजनकाजि नोहोजीवंम्या
इतिनमं ताहा रूपीया तीयाम
ताकरारधार तोपार ले तारन
गरन जानीए ताप जगति नुमरि
जिसतारनु पुरेजनमरसद्धिमारम दो
नदंकेमाते कामले करणांहीन
जगतमंजाणि जिम्याते पुरजंम

बोदधि चाहि के समकि माई नरमें
छिपे ६ के चरमरसमा निच्यो
मज्य व्याप के मानो बड़ वानल
ज्वर है बिषमे न्तेलधि जानो
सीतल सोमसमा नि नरके ज्यतेज
तेकारी छ के न जनके माहिते
जीसबम्हारा धारी कुमेरम्ह रासो
धरमथ नमन जीसमान्छपे जनरा
मदासरेलछिलीमान के तिमऊपरन
रमे भर ॥ ७ ॥ ॥ ॥ नेर बोदमकर

संकल्प नाश्रम के निमांहि जग्माली
नवरात्रि पूजा नस वासछ का हि
पूजा नस वासछ का हिमाचि के जन्म
धिकारी जगतन भाव का इस्म
कि नहीं करम सारी जनराम दास
जै अनमल स्तुति निरंजन नाक सक
ताहि नरेश दमकर दरक चरन
एक कलिमा हि च नथ गस्म
दरश्त सदीक दा नमस्त भाग

या तोदरसएका वैसोही ना
एक तुमासाहा जोएके लाग
लागहरिचरणेजांवे दमरमता
रामसदामनजोएरूपाके जनरी
मदासजी जगतरूके हे नमाश्रीरा
ग नेथगसमदरजूसदाके दानक्षा
वैराग एक के तपहरि के ज्यके
लपनादेवैसारीछोरे कामधेनि
ज्यंकामनाकरपसारीसाद कर

पैसारीसोइयरम धनबकैसे नारी
कुंभरके नकारने छिनौकरी डि.छि
छोरी चो तामण ज्यू च तहांछी
रहैसारीजोइ के तमछ्छि ज्यू वकै
मनादेवैसारीघोई ए० धीराधरमे
मानीऐनमलेजनलैसजोइ तेज करे
यरकास नेतिसमछसमीदनेघोई
समछसचीदनसोइ जोइजेमछकै
जागुरं मांस ज्यू नेरनेपतिछनाकै
रणवकसागर नागरमान्नु नग तिके

रहे रामरतन हेत, धीरा अरसे माने
निर्मल जल से नेत्र ११ भरके जसे
छे दोतली सीतल्स सिसिमा ने
कोमल के हलीमात न्यूगुणा रतन
की मानि गुणतरे की मानहो
नि नाके के हि नाही हेर ब्रह्मान
ना हिरो हो नि हिक गढ़ा को ही ज
रामदास दर मकली तपाने
मानि ॥ भरके जसे छे दोतली
सीतल्स सिसिमानि ॥

गुरुराम चरण की म्हरि करे रामदा
समुक तिसधि पाली हाथ घ्याम
कीर्ति पी नरपरात जपु जपेगा
सकरड़िया जी मत चते मानद
सतपेक के परउलेगे नाउ माइया
जी रामेना चनव इनके उरा ना
समरण मिलाउ जी २३ जुरा ना
समरण मिलाउ मोरा गुरयद मे जाउगर
के होइ बोलपोत नानद बिनोसक

नाद-प्रभु घरे तो हां तुरन्त नाद
हीलाजिहेती रुमझुम तुरे
पमोकामलोचन वृक्ष सोजिहे
जी. १५ राम ही चरणारता
पस्खगदेरांम ही दासदलछ धरु
रा रोम को नाम गरनी वे, लि जिमं
नीयोनेहगरगमवैसेतनुवा
सांलेरेरसा चसतोपस्तासुखिके
बोधबलसरव्वोमान हम्म
रघ्रेमवरतीतपणेवक डे. के जक

मेरणी जरूरे ही पोसे बले केस
रक नांनो बेहेना हिलेवो होय के
मा चगाऊ सबे कंगसे गजा ही सुकमे
नफर तजोड रोमलो चनके केम
मथ्रगढ नपोराम ही दासमी तलहे
उ १७ रमनंस्ते तवेसर लेकरम
लगी ते जपाजे मजा हो जमत
चोही वेठरूथा न नरमां हेवो
गामही फा कलेजता हो तिसो

ही नाजरीकवळ जाई ध्यांतला
तिलगा मोरु मलकुमु एके
प्रमक चांदणा हिंपजा तेके सव
दकीथ निजो हालो तव एके
मक्कलि होइ गगनि चढी यास
हीतरकदा होदपे जाइखेटे रामलो
चनकहरामु हीदास ज्यमही
पदके मोहिमे १८ गगनही
मेलमगरकलुमाइ मासरके

सब मिटी मोहमय बेरी ब्रह्म
बिलासही बरनि निरंजनके
लेकर जाहि कर तरी है
निके फलमें पाप नजपाडी मातेज
रूप जकी मेरे रोर शिवानि के गोप
पैजोपनो नोंकरत तन्त्र रहे सोगी
जोड घोर मन हद जोही नेम
बाजी बेनि राम नजत्रासक गम
नांही रामलो चन कहे रामही

दास ज्यू [illegible] गरके होइ मिलेहर
पदमाही १९७ तेन
मनेतमामाहे पतिया एहरिसकेप्या
लपिलातेहु गुररामकोमहरिगरक
प्रातासातासीनिस बूरीसमाधता
है नरवेदकगरसफेहुसारकाटि
बाटिकेरेखकालताहे जनरा
महीदासभवभ्रतेसेजेसेना
मकबरिबतालताहे २७

साचबा चंता हि नांऊमेदि मनठ
मकेरी बरीफद बध तोहि [illegible]
जलक मरी [illegible] तनम
जातिपाति जो हिंजरराम जुस्कों
मसकेकरिसारे नम नामपरे जु
बोधनेबदकरिसी तोषकरधरि
कामनासु जरि हरिरामरत भुए जु
रामहि जो चनरामदासजुने नमा
सपासिबाईसारी माऊमदवाईमा

हिरहेजे २१ हुमदलकादरा
हिमकी कोमोलि नूपहु सुमान
गढतो हि.मनवेगमा हिहीएह
धूमधन के धारि हरिकीए विलंदा
गबागफ्के रिश्मी नकी नमंछा
रकीएहे सीलेतेनमा हकाम
पालक नगादोमि ली धूमनीत
ं नानिनेरंतगढ गजाएह
रामलीलो चनजनरामदासजो

ओ नमः सद्गुरुएसो धिसो श्रीसारदाकी
दोहे २२ नमो नृमाग्रुर
देवदातासातासुमरनहरनदुरु रामं
चरणजीप्रानसुरु पामदीपोतनम
रनजे ब्रह्मपदमेलीतरुवा क्रमसब
होधोरुरु तेजपु जको तनातिनको
मनमानधोरुरु २२ तापुतेरा
महीदासनिरमल परमसंतनको
बोधही सोधप्रातमसुधरुवा रां

भक्तिगण को मोदही ध्यानको पारका
समरचैन्द नरमेहोड़ जरू करम्भ्र
रक्षाड़सारी नासनासबधोरज्र२
ध्र जीति जेनमरमारूवामारमेटी
जमकी नेनेति क्रिमनेभिनोमरटी
पोढीनकरीनदीदमकी समजिसी
तंतहोड़ नरमं केमतमूरसमागीप़ा
रामदास जरू दासतारके रामरंगने
जिलागीप़ा २५ जागे जेनजगदी

सुमरैसुमरितो जरकांमं जू कांम
नांकरिकतलुसारी पावरिपुमाथ
जू रामसुष दुःखिदेनि नरमत भरे
मत्रपदनिजपेषापो रामदास जी
रामसमित्रषि चोतंमो तहीदेषापो
७६ ॥ छंदवतांतो नमोनमोमाहा
राजिराजिही गपा नवे निजकमजो
रामरमतासुमरि निसदिनसुत्र हो
सकपजू बोध नगतिनरवेदलीमा

दीप देखौ नाम ही ताकि भक्ति
खरौ नेम नेपाल ही चाखो निजगाम
ही परम पाव नम्याफुरता कृताथ
जमनाही तिन्ह छाया अघ नासै
प्रमत्त हो सब तन ही दरस काम
ष जाव मोक्ष माघ ही पाइये कहे बेद
ब्रह्म हि सारस तमहु तही गाइये च
मेतरणे देख भरसी तम नगतिही मा
इही करेस तमग जाई कोई जक बो

धनी लाहे पारसनाथ सम्मेदजि
फलेजके दरसन होतरे मनवा च
हीसा चमार मटे नामकी धातरे
इसे महमा के हजुन समझेदे
बाजारमे लेवे के ज्यातन हीमि
ले जाइस्ती घरमे अंत गोलिन जरी
मद्य मछली मांस लिजके पती धुप
सरी पाइनरस्ते चरमलके चली जो
गजुगत्ता जेए मुक्ते तामाने मोक्ष ही

मांनीमो जदेस्वामी छिपत्त जिवे
गरेहीपुर सोनीमो कहिदरस
हीसरेत नथ्कोन जाथे नेलपा
जीए छेहथ्के तेनासतनमीसि
षजग्यासहीछोनापे २७
करदेवेकरमीहि हसकीप
रसकी तहरितमु नमनेजाने सिमजु
ग्यासनदास्त्रे तत्ही नागणेवे
हनिराटसताने करणेकसागरे

सागरज्ञानके ध्यानके पुंज धरम
दिढावै रामदासजीनकुंवरजी
वंकुपीवंकु वीरकाई नामकरनै २
च धरमकेमूलमेंधरमकेधनन जम
बिहुननारेटाई राजि छलकरको
एनधारही जाविलेवेक चौरासी
रुलाई संतसंतोषीगेनेकीदि
हिमेंदृष्टिकेपासरमाहिमजा
रामदासदानेरहीमो

सुपनेमें इसका कहते तुरकी घोस्त नेता
हुकरतही मोन्द सेलपेको धोने
अरु तरमे नेति दिए नपे तो हुतने
तोन्द चनमचोकेसिदुम करेको
इसमे किसमाइजारी सिंहोने साहे
सिंदुसिंको हाभिपेडा निकरामही
दासके ब्राचेजे होन्द ३० बाच
सहाएरदेवकेको जोरेबोधनह

चेतनकरू नांही मनके वेगउ
देगकरैतबैसे निजनाकी तबैन
जातोही ज्ञानमुद्रातनाज्ञान
चालीएभ्रमसबैतको न्याणके
माही रामहीहासजोनरमैरामी
रेहहैगुपतको नंदनंदतही ॥
उरमेराएसतुउ
३१ रसोई तिजेचनाचे चाहेजो
ई रामधरमसोई चेहठाव
सिमरमरसमोधपाव ३२

रामरसायन छकाइरजानु जमसं
लाजीजीतिमानु धनिधनिनीरु
गामीजोइ रामनाम रसनापिऊ
ऊ ॥ ॥ जनजमी मा
ऊ मोतारधारि रामनामतिनिज
हाबिस्तारि नेत्रम नानहीथ्रम
बोइ वेरोमथ्रमको बरधिसोइ
उथ देवीधसम्तालवेक धरै
ध्यानलेजपकेडिटकेतबश्रद
ग्यानरसनगमाहि जनमजनम

के अघ जांहि ३५ जनमरण
की मिटै खेद रामहि नवण कालै के
नेद नगम पदकी गमलहु मो
हम नीमता जधि ३६ सतसगु
तिसो ना मनते अभम जीउ तारे
जसत कू नमो तिसु तीजे कोठे
अगम अगमकु हेलि गमसाठे ३७
संतसगि रिसे जरमरे काम क्रोध
सबकाए धरे संतसगि वासि
संमि तिहु लोक सुख नेपेकमि ३८

जनराम चरणको सिमा होई रामदा
सजी नाम हो ई तेवरसेवन ज्यूछ
मोक्ष जप्यासो कोटि गा तिमके गुण
ग्रामर कारि जि दिधको न ब्रे
हामदमे नएनीन जुगजुगमा
हिलमरहोइ वोहोरेकाइ धारेन
कोटि ॥ ४० ॥ रामरस
छोकिरी जनको प्रतिजकरी म
हिमचजकरी नजनसाचिकको
री ॥ ४१ हरनेकलकरी चिका

रगरेष्ठकरी ब्रिह्मबाणतानिरी
स्नातमवे पिछानेरी ध्रु रामा
जीसंबानेरी स्नानिद्रम स्नधानि
री सीतसेलसाडरी कुबधिवेध
काडरी ध्रु पावतीतरंगरी रसि
धावप्रभधीमरी रटतजवे नामरी
सुधारसवे कामरी ध्रु रागजवे
रागोधरी करतेजनजोतरी स्ने
भरपदपाडिमा तेत्रनमेलो स्नाड
मा ध्रु रामदासजन अन

कोबिलास जरू मिटाई मानमा
सजरू भातमको बिलास जरू ४६
रामलिमिमे चोरीया
पुरण ब्रह्मको चोरीया तनमनपो
चताइया हृदयदेमेमाईया ४
७ ठिगनिया नमेगा नीया लेन
हल्ला जाबा जोया हरिगोषामा
एमोजेही रामदासगहोजेही
धूप छनिरज रामरसछेकि
बेकेजनमजातिही कामक्रोध

नो जमो होउरे चम नीतही का
चवा चसाएगाएउणरामके राम
हासस्थ जेकेपाएमधीमके धए
प्रमधामपदसंहेदमारकेहीने उ
रगमपानरके रामेदखीन लेध
ग्रएसाहिरामरामएदीए राम
हास नीन नीसे नीनग्रमलीदी
ऐ ५० लगिमधमकेहगदुसव
नेजिनरएए निरधार धस्थो निज
नरकरतव नेउरसनेजिनार पर

बिसारि कारिजकी ग्रो धनधामध
रामनाम सारे बिनो छोरुसबै तज
जाम धारे इतनेतजिवारयकवारन
ए छकिरामरसालेनमुतिथए प्रि
यासतरएकतारेजितरे कुलसपत
नधारकीगोनतरे सबहीदमकी
सलीलोरकना मनसिधरुपारे
कपेजतता सियरामनुनामजीउर
सही रहसिदेछियरामलो चनकही

ग [illegible] सुरा जोगीरांम बिनोगा ह
रिरस जोगी जु नमुरा जगती भमा
गरखुभक्तेसागर लंके नुजागर हरिन
रा आनंदकोटी मुखे सुरारीममता
मारीमन चूरा रामहो दासाब्रह्म
बानासाहरी की आसाहेसुरा भये
जरमुखजपाती हरमेसातारामरसाने
छकाएला हैतेजमानी बोलेछ्या
नामाचुलिमध्ये कारेला जरणाजा

रं तोषबी चारंबरघ्रा नाहिबकाए
ला रामहरी दासा ब्ले ननी ब्तासापे
ग्रा ब्रगम हकीए ले ना पट
जथा जोगि ध्यानी नदेऊ बिबोधं ब
केवी तरागा करेन तिसोधं । सलाम
नेचीसीस ज्या ब्मेसत कीजे हरीरस
माहीरहसुरति चीजे । बुही ब्मे जिब्मा
सानदासी नीसरी । मुनी ला चका ।
या केहे रामप्यारा । ब्मे स्वामदासस ज्या

तछिमारी करैरांमतो चनबोले जे
नजारी पप जगजानेकानजजा
लेजरावं उरीनामनांनाव बासंके
रावं तजीजातिपांतीर जेतीसिंको
रे निमाद्योसरकारनेजनेचारं मं
राधीरमानुगुणातानपार मलचं
देचौथेतेकाकोजक्षारं नमोरामदा
सविलासीकेवत्स केहैरामतो च
नलहोनगतिग्रे मं ॥५६॥सत्त॥

करणासागरनांम रामदासजीरांम
वेत पाधरिश्रमधांम ऊचीऊगीहो
रिकें ५७ ऊचीऊगीहोरिपधरिश्र
मधामक जो तेनरतनहारि मारम
दीचरू मोनिकी भक्त फूंपलत नर
तनमुछोहिरनमोनिक पारक्षऊर
रूपावे ऊरछिनिपाडू जाहिऊमा
धे चरू मोनमे जाने पाएमे नर
पां चंऊणमेटे ऊरमालिगोबदपा

चिंतामणि ऊर चितव निहारि
के चरण क नेदेजो ई कमरकेर
कि रिपरमऊ नामण जानादेही को
मधनज्यसोऊ कामनाएम मिलाये
तेही कतेय ब्रिछऊ रमेकाऊ छठे
देवेन्प्रमरक्षनमा ने. जाके छठे
जसुरप तिसेदेखाऊ ने. नंदिमा को
टिनमाचकाशान मार्वेनंदतबंदि
बसेषो ऐतादृशेम गुरुकरामरी

ब्रह्मिमनो मी स्मरणासे जसपुरण
देवे तोमल्या निज भगती रामदास
जीमुष्क सागर नागर समुद्र
गौरीरस तसग जगदीश्वरी मनेनि
पाए ॥५॥ ॥ चामर छंद ॥ सतगुर
मिले नतिमवि नागरगुणनिधं
चीर नतिमबोधदेतीर तासेहोर
चीजलपार ६० मानवेंद्र नमुमकी
सार छेद्रेग्र नडुपकीमीर मानूनदे

आनदहोई समतासुख बिलसेसो
६१ दरपाल्क दर्व्य मिलि जोहि
निकसैजोरिक लेहीनाहि तैसो
नजनकोपरताप जाविकमझे तैसा
प ६२ मत्नप्रमखा
म सारसबकाम मदेसबडुम मापा
मतिसुभ ६३ नेजलम तोम हटी
सुजताप मानबोजाध कीसोमन
साध ६४ बिकारहलाद कलसधटा

मे. मेसर्स दास ब्रदर्स कापड व्यापारी
हाल मुकाम नागपूर ता. ६६ जि. नागपूर
बाबत जाहिरात चमत्कारीक बाजा
बाबत जाहिरात चमत्कारीक बाजा
बाबत जाहिरात चमत्कारीक बाजा
बाबत जाहिरात चमत्कारीक बाजा
बाबत जाहिरात चमत्कारीक बाजा

हो पल्हांमदीगन नकीमारुन ते
नवीजाहे २ जुलनी जावेनाहि
जन्न के फेरि कैसासतरसे तम
हतसवचेरे नन तुकाहजन ग्ल
भरजाएतनामदी परिक्षारामदास
जी तोरिनजुगमे जामदी ॥ जे ॥
गमे जाएना हेमनपदमो हेरे ॥ जी
कोहयमि हेसहसुधपा हेरे ॥ जी
तिगएजुग जोनिसत जनदासरे ॥ प

रिहरांमदासजी नाम अमर भए जौ
रे १ अमर भए होमतग
अमर भए जुगजुगमाह अमर
भए रांम अमर तुम मारखा
मां चोसागरस्पार भाए १ घट
मैं अघट नरंजण करा तालीम ही
गरकरहपे २ लरगुण नाग तिकरी
करवाट उपजे नन उमरकपसह ३
धरमंध्यानधनदेनु मारो तेसज जौ

सातसंमदथी मुसिकेरेनेष गिरस लबणरई
वनक जदए थ लुगए जीतिउणं
कैसागर लगार लोथके मे जबथ
ए प रामेला चनकेरामदासजा
परमधामन वासकीये ६ पा
रकीसा होसतगुरमरकीया पूणेन
रसतीसतगुरपारकीना ७ राम
दासजीतकेचेता श्रमरसबदे
जेलिलाए ७ लोथ नगतिकी
सनिरनमाई सिरमे लपणदसतादी

ढा २ रांमरसांहुणाम्हा म्रमांरस म
रिनरिप्यानाछ केपिमा ३ रांमतो
चनजेप्यसी सिघकंते जुग जुगमी
हीमरतजीमा ध
मानसमंदकीमुसिकरुनेषणमव
णराई मास्दतेषनेछावस केग
दरसीकराई कागदरसीकराईसेसमु
षिमसहीगावे नेगमु नेगमकहेन
गमजनाकोपारनपावे रांमतोचन

जेहेएकमुषकेसेकरू अनाई ७५
मक्तमाऊरजनयामकी कैसेना
बेबार नथैसमदरकोकको कैसेथा
गोनरे २ सुनिधनकोछेनूक छे
मोनाने भेकास चालगजांचेनुदत्तु
छि रूदातही जोचके नास २ ॥ग

सतसंगसकलसंतोषसमकरा

-५ सोलहा पच्चासीपर
माण २ रामलो चलजो आ
पोल कीधो ग्रंथ नामांम सब
इनो ङ नरलस्त्री लियो सुग
तिलीरांम २ संवत्सरहो
इसछाहे नोसोजस केतुमंग
जैहे बार सिरनारनारे ॥ स
पुरणजोएल ॥ ॥ इतीश्री रामछ
नामग्रंथसपूरण ॥ छ ॥ मंह

रघुपति राजै माल्या अभिरस छकि
गजिनौं गहरैगा जै तेजपुंज तकि
नर अनरूपम मानहंकारी तर
पति ग्यानचेंमानध्यानकी मोहि
क्षमारी परमपुरेजनसही नराक
एकैरूप तैनैरामहीदासजुस
तंजरचे अनुप
ब्रतलेपाल कुंवातेनसीतारमा
जिगत निजधामसिधारे ब्या

कुल लोत प्रयोग नमें पाछे नाम
सब्द को पाछि चारे रामकृ
समजा ए नमस्कार पूरतमे नरधा
नजधारे रामकृष्ण सम्रु जारु
बीनतीराम होत बक्त लेऊ न
बारे [illegible] नोमनतमालारा
जिदीनबंधुसुखदाई रामदासम्हा
रजि छाप नहमती पर्म जगतिने
धारणकाजि जगति लोतारने

धारया। सरणै आपा जीव जेकेस
बपार न तारया। महमा लगा म्
पारपार तुमरा कछु नाही एकजी
नमसमाहि कहि नगवारणा जां
ही मेरा मन को प्रीति सो तुमरू छा
नी नाहि रामनाम की सुरति को
रावो चरणा माहि ध्यु अक तिजा
लासी जनम नम कैसे तरसी
रामदास जु महत चरणा गोनर

नही भेलकोलजि आपनां
मोहोई नोकोकोनही पाखीए
जोजिलाढ़ीकोनही वेढानही
सिमसाधाजग्यासभेतिजोसो
रहेमोधेणी रांमनामछंदा
कैजनकरतमोजनाजाणी ५
ज्रदहपधारधोमंका
हाहलकाजीए छंदधातन
मोहिनेनजलजोजीए नम

बपक हे संतोष क्षमा न रूपेंध
रौ परिहरण छुड़ा दुष्ट
दुःखापद रूप कूपी हुं गिरयो
मनुष्य देह मोक्ष सीढ़ी में
शमन कीसरु कीसे मिटावुं हुं
जीवा तनुं कारण संसार वास
को परिहरण करुं जेथी हुं छूटुं
शिष्य दासको ॥ ७ ॥ बारंबार
रहेवुं गुरु चरणमां ॥ तुमारु

रतिको ध्यानसदा मुखमें भक्ति राखो
आपकीसार लेवकी लीणती
परहामरमो नहिकर जोड़ करतहै
बिनती ॥८॥ धरी ॥ मधारयुमधां
मरामस्तमतहेड़ ॥ कुलगुरुगामा
रिनमरस्तुपि वि वसे ॥ जुनमम
रणबंकरोगसोगत निस्तुपमेंमिला
मा मानुसरे तालीश्रीमुखमसा
गर मेलिगा ॥ कारन आवजाग

तीरंमदासमन जीत ॥ परमानन्द भजन
घनमेघसबली जीत ॥ ए
रामदासगुरुद नमोस्तुतेहे ला
कहेमाहिनिवा जिक बिसवाबी
सहे देसवंत संतोमगए भ्रम थं
मक जी परिहासर पोंक जनद्र
सरधातुमाम जी १० ॥ छेकरो
गकी पाड़ कहीक पणसकेक
जारूम धारेधांमछुक स्वमेलमरंग

जय गुरु ज्ञानेश्वर दत्तवेल्हाळ तीर्थ
हे पवित्र तीर्थ तिरथ जनमंगित्र
वेसोडपीठ १२ रामदास म्हा
राजगुरु सुखसागरा मोक्ष दा
यनवा जिमोदेऊ आगरा हो
प्रजोती मंदिर तिकरे नोवजाम
की पवित्र तीर्थ जय मालेक
सुमरण्यामधी पुढे
सतगुरु धाम स्वदा हो ह

मन देखि मोहि भायो हो ॥ जि
श्री जिनधर्म सोभत्व माहो ॥ जी
नन दरसण मोहो ॥ ३ ॥ जी
नन नाम मोहो ॥ ३ ॥ जी
हेम्या हो ॥ ३ ॥ जी
मोहो ॥ ३ ॥ जी
होहो ॥ ३ ॥ जी
गुरमत दरसन मोहो ॥ ४ ॥

फ़ाहेसारहीमेनमांहीहो
जनसेनचाईबचरालीहो ब
पत्राभिलेपहमालीहो १ सत
सेतनभईकदासहो मुभक
दरसणकनपासीहो २ तोस
होहाबसंगरमलीहो सीतला
हेरदरसणलाहहो ३ देहमरा
फ़ानाहीहो जनमजदमलफ़ा
माहीहो ४ गरबामदासजी

नंदीहौ कलरांमसुर जनबली
हारीहौ ॥५॥
गुररांम चरण सिरधारकेसंत भए
नरकार रामदास म्हारा जिकी म्ह
मालकनहीपार म्हगाकोनहीपार
धारबरागकरारा जनकीज्ञान
रंगरजीतिगुणहरीसारा पा-चम
चीसतीनामदेनो कोकरि नरधी
र गुररांम चौसिरधारकेसंत भए रए

नरकार ॥ ६ ॥ निवृत्ता तरकेत्या
गळेरागरकेगरगमकेमाही
कनकेकामणीत्या ठिकरकेज
नहेसदाही भलमोगवीजाये
तिनकेसासाबोल्यो परसारे
प्रकहेतिहा बाईके जोबोल्या
मादिनेते लगरहीएकरसि
जनकीधारा तरतीवरबैरागरा
मीनरधारा उररामदासएनछि

तीर्थकारि जिकारिकारणमिले
जलपालेंगे रघुराम दास तत्ति
फेरि जलमें लेले २ राम चरणपद
परसि सिमकर रखेकलोऊ रामदास
महाराजि जनुमलमाचकोऊ
ततखरिमिमाईकरमसक्षमा
दिनकाया तन्मनडीजीति
ब्रह्मदमां हिमामा श्रीच
रेमहीरूछंदबंधनकेकोना

ही ज्ञानदर्शन उदारसारम
तत्तीर्थसंघमहितं दिसदुत्तरेऽङ्ग
माहिनगरीणीलकहीए दिव
चरणजोए लालवातदीनयर
लाहलीए नगजलकीमोआ
रसमेवलि जरगहीगोर जास
होइनदास चलोहरेमदबू जा
ई नगरासंसतसा गिमहनम
हिजानु नासोजरुधुभला

रहो जिकं की पौपी मानुं नर
कनदेतनत्या ठि चले नागम
के जोगा जगत् नए नदास न्र
लंसके नोगी साध चतरदस
तांहासमागम जनु नारी च
तत्समै जो दस्त कीए सबही
नरनारी नन ननदीमहमोमे
नतकहेत ने नोपार ससमा
रमानहीब्रमाकसो चार

इन्द्रमारछपरासी ध सवसंतन
मिलिपेक्षवीचारी लरमदरसण
मासी ध रामदासजीसतछपरा
रामवगमसिदजासी ६ ज
नतनत्मागनवेरिगईया वैछम
दमोहिसमदेवी। गूलीज
गामोरिचोनिमपरि वेरेंकाहर
मिरडनारछमराडिके मोतीरन
मजा चिरणाजलभरछाईया २

मालपारीजनकीमहमां
पीमबेहगाइ॥ गुरुरामदास
जीदेकृतनिकै॥ बेबेहदपदमां
चाइ॥ ४॥ तुमतोस्वामीअंमि
थे॥ हमगतिकोनकरुइ॥ ५॥
सिषजग्यासनुदासको चारनी
नरमधानधरुइ॥ ६॥ रामदास
करजोडिहर तुमेरीनजरमो
इ॥ ७॥

रामदासमहारा जिसंस्यो जीकी
शरणाम ॥ न्नाम्म धारेथामव तिस
मैपऊ तेना हि ॥ तिसमेपऊ तेना
हिम्रमऊरप तनि न धार न हमसे
जीव न्नंत तनि नू को कारनि
सारण ॥ मो नुप्रेवी ज्यो न्नपा
निसदिन न्नप्त ताम ॥ रामदा
समहारा जिस स्यो जीकी शरण
म ॥ २ ॥ रामदासमाहारजी को

सतसंग को न हीपार ॥ राणे नी
परगट करी न संत दमाने ॥ श्री
सेस तदपा ते गीता नी बहु जसीरा
साहा को पो नाम नुपदेस नरम
के का टिजे जीरा ॥ क हयो जी ज्ञानु
रनकाम हमा नेत्र गम नन्मार राम
दासमहारा जिकास हरसा को ने
हिपार ॥ २

मंथ जो जाए ॥ संख तन मस्सा दुखमा
छिप छुपरि जोनु मासतें ऊमा
मोजमुक लय छिदी जे बमोनु बु
थ थोरक बिमनेरक नाती छ ट
काया ॥ तेनम नछ रातिस निहरा न
चरन्न चित लोभो ॥ निरपुत्रमान जे
रूइ जिन्न की प्रतिकरा ॥ गालन
मोजन कैमान नहीं कोई मारी घारी
तरती छर नरवेद धरम धंरा ग्रंतरा

रा स्हाल नागरस छने वग्पांनी
पर चेपुरा स्थो जीरामरण तत्तम
बजीति नेगमघरक् पएं ज़रा
म चरणप्र नापरं रामदास कमाते
चले ॥ ९ ॥ केवत ॥ कपटी कुगर
इत लंपटी गुलामस्तत्दी केगुला
मवेमानस्कावक् गमती जीए ॥ ज्ञानी
वानसास्वानदरवान्तु उडी नि गर
निस्कवेन्तनरी जीए ॥ निमटनिको

कीकरि छूटो टोपा ल्हुटो मोड़ो लूटे
लोभा जरा फिरा दि नत्र बादल न
कीजीए कदत कि सनदास रंक
इसजीवि गिरिराय दाव कूने तो
घर चोइ नकीजीए ॥ १ ॥